अनुक्रमांक .... मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 8

नाम.... ....

901 **801 (HC)**

2024

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] *[पूर्णांक : 70*

निर्देश :

(i) *प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्न-पत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।*

(ii) *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं ।*

(iii) *इस प्रश्न-पत्र के **दो** खण्ड – खण्ड अ तथा खण्ड ब हैं ।*

(iv) *खण्ड अ में 1 अङ्क के 20 बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनके उत्तर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर देने हैं ।*

(v) *खण्ड अ के प्रत्येक प्रश्न का निर्देश पढ़कर केवल प्रदत्त ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर ही उत्तर दीजिए । ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर उत्तर देने के पश्चात् उसे काटें नहीं तथा इरेजर एवं ह्वाइटनर का प्रयोग न करें ।*

(vi) *प्रश्न के अङ्क उसके सम्मुख अंकित हैं ।*

(vii) *खण्ड ब में 50 अङ्क के वर्णनात्मक प्रश्न हैं ।*

(viii) *खण्ड ब के सभी प्रश्नों के उत्तर एक साथ ही कीजिए ।*

खण्ड अ

(बहुविकल्पीय प्रश्न)

1. 'चन्द्रगुप्त' रचना की विधा है : *1*

(A) निबन्ध (B) उपन्यास

(C) नाटक (D) कविता

2. 'दीप जले शंख बजे' के लेखक हैं : *1*

(A) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' (B) शान्तिप्रिय द्विवेदी

(C) रामवृक्ष 'बेनीपुरी' (D) देवेन्द्र सत्यार्थी

3. शुक्लोत्तर युगीन लेखक हैं : *1*

(A) विनय मोहन शर्मा (B) मन्नू भण्डारी

(C) उपेन्द्रनाथ 'अश्क' (D) सत्येन्द्र द्विवेदी

4. हजारीप्रसाद द्विवेदी लेखक हैं : 1

(A) पानी के प्राचीर के
(B) आपका बंटी के
(C) बूँद और समुद्र के
(D) बाणभट्ट की आत्मकथा के

5. निम्नलिखित में से जयशङ्कर प्रसाद का नाटक *नहीं* है : 1

(A) अजातशत्रु
(B) स्कन्दगुप्त
(C) ध्रुवस्वामिनी
(D) अन्धेर नगरी

6. रीतिबद्ध काव्यधारा के कवि हैं : 1

(A) बिहारी लाल
(B) बोधा
(C) भिखारीदास
(D) घनानन्द

7. 'पद्माभरण' के रचयिता हैं : 1

(A) सेनापति
(B) केशव
(C) पद्माकर
(D) भूषण

8. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की रचना है : 1

(A) कनुप्रिया
(B) सुनहरे शैवाल
(C) ठण्डा लोहा
(D) राम की शक्ति पूजा

9. प्रयोगवादी कवि हैं : 1

(A) भारत भूषण अग्रवाल
(B) केदारनाथ अग्रवाल
(C) रामधारी सिंह 'दिनकर'
(D) सुमित्रानन्दन पन्त

10. 'आँगन के पार द्वार' के रचयिता हैं : 1

(A) धर्मवीर भारती
(B) भवानी प्रसाद मिश्र
(C) 'अज्ञेय'
(D) गिरिजा कुमार माथुर

11. 'करुण' रस का स्थायी भाव है : 1

(A) क्रोध
(B) शोक
(C) हास्य
(D) भय

12. 'चरण-कमल बंदौ हरि राई ।' में प्रयुक्त अलङ्कार है : 1

(A) उपमा
(B) उत्प्रेक्षा
(C) रूपक
(D) यमक

13. 'रोला' छन्द के प्रत्येक चरण में कितनी मात्राएँ होती हैं ? *1*

(A) 24 (B) 16

(C) 13 (D) 11

14. 'अभ्यागत' शब्द में उपसर्ग है : *1*

(A) अनु (B) अपि

(C) अव (D) अभि

15. 'नीलकमल' में समास है : *1*

(A) द्वन्द्व (B) द्विगु

(C) कर्मधारय (D) बहुव्रीहि

16. 'योगी' शब्द का तद्भव शब्द होगा : *1*

(A) जोगी (B) युगी

(C) जौगी (D) इनमें से कोई नहीं

17. 'युष्मद्' शब्द की सप्तमी विभक्ति, एकवचन का रूप होगा : *1*

(A) तव (B) त्वत्

(C) त्वयि (D) तुभ्यम्

18. रचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद होते हैं ? *1*

(A) आठ (B) तीन

(C) चार (D) इनमें से कोई नहीं

19. 'भाववाच्य' में प्रधानता होती है : *1*

(A) कर्ता की (B) कर्म की

(C) क्रिया की (D) इनमें से कोई नहीं

20. 'अविकारी' शब्द है : *1*

(A) इन्द्र (B) गाय

(C) यथासम्भव (D) आप

modelpaper.info

खण्ड ब

(वर्णनात्मक प्रश्न)

2+2+2=6

21. निम्नलिखित में से किसी *एक* गद्यांश पर आधारित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है । यह केवल नीति और सद्वृत्ति का ही नाश नहीं करता, बल्कि बुद्धि का भी क्षय करता है । किसी युवा-पुरुष की संगति यदि बुरी होगी, तो वह उसके पैरों में बँधी चक्की के समान होगी, जो उसे दिन-दिन अवनति के गड्ढे में गिराती जाएगी और यदि अच्छी होगी तो सहारा देने वाली बाहु के समान होगी, जो उसे निरंतर उन्नति की ओर ले जाएगी ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

(ii) गद्यांश के रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) 'सुदृढ़ बाहु' का क्या अर्थ है ?

अथवा

(ख) हिन्दी में प्रगतिशील साहित्य का निर्माण हो रहा है । उसके निर्माता यह समझ रहे हैं कि उनके साहित्य में भविष्य का गौरव निहित है । पर कुछ ही समय के बाद उनका यह साहित्य भी अतीत का स्मारक बन जाएगा और आज जो तरुण है, वही वृद्ध होकर अतीत के गौरव का स्वप्न देखेंगे । उनके स्थान में तरुणों का फिर दूसरा दल आ जाएगा जो भविष्य का स्वप्न देखेगा । दोनों के ही स्वप्न सुखद होते हैं, क्योंकि दूर के ढोल सुहावने होते हैं ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

(ii) गद्यांश के रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) प्रस्तुत गद्यांश में 'प्रगतिशीलता' से क्या तात्पर्य है ?

modelpaper.info

22. निम्नलिखित में से किसी *एक* पद्यांश पर आधारित सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2+2+2=6

(क) गोरज बिराजै भाल लहलही बनमाल

आगे गैयाँ पाछे ग्वाल गावै मृदु बानि री ।

तैसी धुनि बाँसुरी की मधुर मधुर जैसी,

बंक चितवनि मंद-मंद मुसकानि री ।

कदम बिटप के निकट तटिनी के तट

अटा चढ़ि चाहि पीत पट फहरानि री ।

रस बरसावैं तन-तपनि बुझावैं नैन,

प्राननि रिझावै वह आवै रसखानि री ।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

(ii) गोरज के बीच कृष्ण के सुन्दर रूप का सजीव चित्रण कवि ने किस प्रकार किया है ?

(iii) पद्यांश के रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए ।

अथवा

(ख) फूल झरता है

फूल शव्द नहीं ।

बच्चा गेंद उछालता है,

सदियों के पार

लोकती है उसे एक बच्ची ।

बूढ़ा गाता है एक पद्य,

दुहराता है दूसरा बूढ़ा,

भूगोल और इतिहास से परे

किसी दालान में बैठा हुआ ।

(i) उपर्युक्त कविता के कवि एवं शीर्षक का नाम लिखिए ।

(ii) रेखाङ्कित पद्यांश का अंश स्पष्ट कीजिए ।

(iii) कवि पद्यांश में किसकी विशेषता बता रहा है ?

23. नीचे दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी *एक* का संदर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : *2+3=5*

(क) वाराणस्यां प्राचीनकालादेव गेहे-गेहे विद्याया: दिव्यं ज्योति: द्योतते । अधुनाऽपि अत्र संस्कृतवाग्धारा सततं प्रवहति, जनानां ज्ञानं च वर्द्धयति । अत्र अनेके आचार्या: मूर्धन्या: विद्वांस: वैदिकवाङ्मयस्य अध्ययने अध्यापने च इदानीं निरता: ।

अथवा

(ख) एतस्मिन्नेव काले तस्य ग्रामीणस्य ग्राम: आगत: । स विहसन् रेलयानात् अवतीर्य स्वग्रामं प्रति अचलत् । नागरिक: लज्जित: भूत्वा तूष्णीम् अतिष्ठत् । सर्वे यात्रिण: वाचालं तं नागरिकं दृष्ट्वा अहसन् । तदा स नागरिक: अन्वभवत् यत् ज्ञानं सर्वत्र सम्भवति ।

24. नीचे दिए गए संस्कृत श्लोक में से किसी *एक* का संदर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : *2+3=5*

(क) नीर-क्षीर-विवेके हंसालस्यं त्वमेव तनुषे चेत् ।
विश्वमिस्मन्नअधुनान्य: कुलव्रतं पालयिष्यति क: ।।

अथवा

(ख) दाक्ष्यमेकपदं धर्म्यं दानमेकपदं यश: ।
सत्यमेकपदं स्वर्ग्यं शीलमेकपदं सुखम् ।।

25. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी *एक* प्रश्न का उत्तर लिखिए : *1×3=3*

(क) (i) 'मातृ-भूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर 'चन्द्रशेखर आज़ाद' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ii) 'मातृ-भूमि के लिए' खण्डकाव्य के 'बलिदान' सर्ग का कथानक लिखिए ।

(ख) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के 'पूर्वाभास' सर्ग का कथानक लिखिए ।

(ग) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाष चन्द्र बोस की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

(घ) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के 'पृथ्वीराज' सर्ग का कथानक लिखिए ।

(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर महाराणा प्रताप का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ङ) (i) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथासार लिखिए ।

(ii) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(च) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य की सबसे प्रभावशाली घटना का वर्णन कीजिए ।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर 'कुन्ती' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(छ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के नायक 'लक्ष्मण' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'लक्ष्मण-मेघनाद युद्ध तथा लक्ष्मण की मूर्च्छा' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के 'राम-भरत-मिलन' सर्ग का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर 'कैकेयी' की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(झ) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

26. (क) दिए गए लेखकों में से किसी ***एक*** लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : *3+2=5*

(i) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

(ii) जयशङ्कर प्रसाद

(iii) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

(iv) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी ***एक*** कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : *3+2=5*

(i) तुलसीदास

(ii) मैथिलीशरण गुप्त

(iii) सुमित्रानन्दन पन्त

(iv) अशोक बाजपेयी

27. अपनी पाठ्य-पुस्तक में से कण्ठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो । *2*

28. अपने मुहल्ले की नालियों की समुचित सफाई के लिए नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए । *4*

29. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए : *2*

(i) आरुणिः कः आसीत् ?

(ii) वीरः केन पूज्यते ?

(iii) चन्द्रशेखरः स्वनाम किम् अवदत् ?

(iv) मैत्री केन वर्धते ?

30. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर निबंध लिखिए : *7*

(i) आतंकवाद : कारण एवं निवारण

(ii) देश-प्रेम

(iii) विज्ञान : वरदान या अभिशाप

(iv) विद्यार्थी-जीवन में खेल का महत्त्व